

17/05/25

अधिवक्ता उभयपक्ष उपर । अधिवक्ता  
 द्वारा अधिवक्ता अधिवक्ता 22 निष्पत्ति 3  
 पर एक मद्र नी गरी जपना क के  
 लक्ष्यगुहात वारी सं. 03 सगन सु सं.  
 मंगलरिद नी मद्र ये चुकी है एवं 31/3  
 विधिक वारिष्ठता का वारीगण 6.3.1 का  
 3.5 के रूप में समीक्षित किये जाते का  
 निवेदन किया। जिन पर प्रतिकी  
 अधिवक्ता ने no objection दिवनी  
 कोकिल कि। अतः अधिवक्ता अधिवक्ता  
 22 निष्पत्ति 3 CPC स्वीकार किया जाकर  
 अधिवक्ता अधिवक्ता वारी के अन्त 3 नी  
 विधिक वारीगण का वारीगण 6.3.1 का  
 3.5 के रूप में समीक्षित किया  
 जाकर की परामर्श वारी पर 15 अधिवक्ता  
 1-2-10 पर हू केशा दिव विधिक  
 एट डिगि 1/5/25 का केश 9/15

